

MED 002 IMPORTANT QUESTIONS

FOR DECEMBER 2024 AND JULY 2025

ENVIRONMENT AND SUSTAINABLE DEVELOPMENT

Answers in both Hindi and English

Part- 2

1. Briefly explain any five challenges to sustainable economic growth.

1. Environmental Degradation

Overexploitation of natural resources and pollution often lead to environmental damage, which undermines long-term economic sustainability.

पर्यावरणीय हानि

प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक उपयोग और प्रदूषण पर्यावरण को नुकसान पहुँचाते हैं, जो दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को कमजोर करते हैं।

2. Income Inequality

Unequal distribution of wealth can lead to social unrest, lower consumer spending, and hinder overall economic growth.

आय असमानता

धन का असमान वितरण सामाजिक अशांति, उपभोक्ता खर्च में कमी और समग्र आर्थिक वृद्धि में रुकावट पैदा कर सकता है।

3. Political Instability

Frequent political changes or conflicts can create uncertainty, discourage investment, and disrupt economic activities.

राजनीतिक अस्थिरता

बार-बार राजनीतिक परिवर्तन या संघर्ष असमंजस पैदा कर सकते हैं, निवेश में कमी कर सकते हैं और आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित कर सकते हैं।

4. Lack of Infrastructure

Inadequate infrastructure like transportation, energy, and communication can slow down business operations and economic development.

पूर्वाधार की कमी

परिवहन, ऊर्जा और संचार जैसे अपर्याप्त पूर्वाधार व्यापार संचालन और आर्थिक विकास को धीमा कर सकते हैं।

5. Global Economic Volatility

Fluctuations in global markets, such as trade wars, inflation, or financial crises, can negatively affect national economies and hinder growth.

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता

वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव, जैसे व्यापार युद्ध, मुद्रास्फीति या वित्तीय संकट, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकते हैं और वृद्धि में बाधा डाल सकते हैं।

Discuss the issues responsible for poverty and inequality in developing countries.

1. Limited Access to Education

Lack of quality education restricts opportunities for individuals, leading to low skill development and poor job prospects, perpetuating poverty and inequality.

शिक्षा तक सीमित पहुँच

गुणवत्ता वाली शिक्षा की कमी व्यक्तियों के लिए अवसरों को सीमित करती है, जिससे कौशल विकास और नौकरी की संभावनाएँ घटती हैं, जो गरीबी और असमानता को बढ़ावा देती हैं।

2. Unemployment and Underemployment

High unemployment rates and underemployment, where individuals work in low-wage or unstable jobs, contribute to income inequality and economic vulnerability.

बेरोजगारी और आंशिक बेरोजगारी

उच्च बेरोजगारी दर और आंशिक बेरोजगारी, जहाँ व्यक्ति कम वेतन या अस्थिर नौकरियों में काम करते हैं, आय असमानता और आर्थिक संवेदनशीलता में योगदान करते हैं।

3. Unequal Distribution of Resources

The concentration of wealth and resources in the hands of a few elites leads to significant disparities in living standards and opportunities for the majority.

संसाधनों का असमान वितरण

धन और संसाधनों का कुछ गिने-चुने अभिजात वर्ग के हाथों में संकेंद्रित होना अधिकांश लोगों के लिए जीवन स्तर और अवसरों में महत्वपूर्ण असमानताओं का कारण बनता है।

4. Poor Healthcare Systems

Inadequate healthcare services lead to high mortality rates, low life expectancy, and poor quality of life, particularly affecting the poor and marginalized communities.

खराब स्वास्थ्य सेवाएँ

अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवाएँ उच्च मृत्यु दर, कम जीवन प्रत्याशा और जीवन स्तर की गुणवत्ता को प्रभावित करती हैं, विशेष रूप से गरीब और हाशिए पर रहने वाली समुदायों को।

5. Corruption and Governance Issues

Corruption in government and weak governance structures often result in inefficient use of resources, misallocation of funds, and failure to implement effective poverty reduction programs.

भ्रष्टाचार और शासन से जुड़ी समस्याएँ

सरकारी भ्रष्टाचार और कमजोर शासन संरचनाएँ अक्सर संसाधनों के अप्रभावी उपयोग, निधियों का गलत आवंटन और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में विफलता का कारण बनती हैं।

3. What is 'North' and 'South' in the debate of North-South divide ? Discuss the two approaches to solve North-South divide.

The North-South divide refers to the socio-economic and political differences between the world's wealthy, industrialized countries (often referred to as the "Global North") and the poorer, developing nations (referred to as the "Global South").

1. North-South Divide

Global North

The "Global North" refers to the wealthy, industrialized countries, mainly located in the northern hemisphere. These countries are characterized by high levels of economic development, advanced infrastructure, and political stability.

ग्लोबल नॉर्थ

"ग्लोबल नॉर्थ" से तात्पर्य समृद्ध, औद्योगिक देशों से है, जो मुख्य रूप से उत्तरी गोलार्ध में स्थित हैं। इन देशों की विशेषता उच्च आर्थिक विकास, उन्नत बुनियादी ढांचा और राजनीतिक स्थिरता है।

Global South

The "Global South" comprises countries that are still developing, facing challenges such as poverty, low industrialization, limited access to education, and health services. These nations are often located in the southern hemisphere.

ग्लोबल साउथ

"ग्लोबल साउथ" में वे देश आते हैं जो अभी भी विकासशील हैं, और गरीबी, कम औद्योगिकीकरण, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं तक सीमित पहुंच जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ये देश अक्सर दक्षिणी गोलार्ध में स्थित होते हैं।

2. Two Approaches to Solve the North-South Divide

Approach 1: Modernization Theory

This approach argues that developing countries can achieve economic growth and development by following the same path taken by the industrialized nations of the Global North. This includes adopting advanced technology, improving education, and industrialization.

सुधारवाद (Modernization) सिद्धांत

यह दृष्टिकोण यह तर्क करता है कि विकासशील देश ग्लोबल नॉर्थ के औद्योगिक देशों द्वारा अपनाए गए समान मार्ग का पालन करके आर्थिक वृद्धि और विकास प्राप्त कर सकते हैं। इसमें उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना, शिक्षा में सुधार करना और औद्योगिकीकरण शामिल है।

Approach 2: Dependency Theory

The Dependency Theory suggests that the Global South remains poor and underdeveloped because of the exploitation and unequal relationships established by the Global North. It advocates for economic self-reliance, decolonization, and reducing dependency on wealthy nations.

निर्भरता सिद्धांत

निर्भरता सिद्धांत यह सुझाव देता है कि ग्लोबल साउथ गरीब और अविकसित इसलिए है क्योंकि ग्लोबल नॉर्थ द्वारा शोषण और असमान रिश्तों का निर्माण किया गया है। यह आर्थिक आत्मनिर्भरता, उपनिवेशवाद का खात्मा और समृद्ध देशों पर निर्भरता को कम करने का समर्थन करता है।

Both these approaches offer different solutions to closing the economic and developmental gap between the North and South, with the first emphasizing emulation of the North's path, while the second calls for structural changes and independence from external forces.

LINK OF OTHER PARTS OF THE SERIES IS IN THE DESCRIPTION